26/12/2024

आकाशवाणी ईटानगर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज वीर बाल दिवस पर नई दिल्ली में असाधारण उपलब्धियों के लिए 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। इन बच्चों को कला-संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, खेल और पर्यावरण के क्षेत्र में विशिष्ठ उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मु ने साहिबजादों की बहादुरी और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि यह दिन श्री गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों के बलिदान और साहस का सम्मान करने करने का दिन है। राष्ट्रपति ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां देश के सभी नागरिकों को प्रेरित करेंगी। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को पहचानना और अवसर प्रदान करना देश की परंपरा का हिस्सा रहा है। आकाशवाणी समाचार से विशेष बातचीत में खेल के क्षेत्र में पुरस्कार पाने वाले गोल्डी ने प्रसन्नता प्रकट की।

0000000000000000000

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत के लोकतंत्र की व्यापकता गुरूओं की शिक्षा, साहिबजादों के बलिदान और देश की एकता के मूल मंत्र पर आधारित है। आज नई दिल्ली में भारत मंडपम में वीर बाल दिवस समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि गुरूओं की परंपरा ने हमें सबको समान आदर के साथ देखने की शिक्षा दी है और देश का संविधान भी हमें इसी विचार के लिए प्रेरित करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वीर साहिबजादों का जीवन हमें सिखाता है कि देश की अखंडता और विचारधारा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

0000000000000000000

स्वास्थ्य मंत्रालय ने आज कहा कि स्वतंत्रता के समय मलेरिया के वार्षिक मामलों की संख्या 7.5 करोड़ से घटकर 2023 तक 20 लाख हो जाएगी, यानी 97 प्रतिशत से अधिक की कमी। भारत 2024 में विश्व स्वास्थ्य संगठन के उच्च बोझ से उच्च प्रभाव समूह से बाहर निकल गया है, जो मलेरिया के खिलाफ अपनी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। 2023 में, विभिन्न राज्यों के 122 जिलों में मलेरिया के शून्य मामले सामने आए। भारत सार्वजनिक स्वास्थ्य में वैश्विक मानक स्थापित करते हुए मलेरिया मुक्त राष्ट्र की ओर अपने कदम बढ़ा रहा है। सरकार 2030 तक मलेरिया मुक्त स्थिति प्राप्त करने के दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है, जिसमें मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा और मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना जैसी व्यापक और बहुआयामी रणनीतियाँ शामिल हैं।

0000000000000000000

राज्यपाल के टी परनाइक ने कल डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती समारोह में भाग लिया। राज्यपाल ने स्वर्गीय वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की और गांधी स्मृति और दर्शन समिति, नई दिल्ली द्वारा आयोजित समारोह में पूर्व प्रधानमंत्री के राष्ट्र के प्रति योगदान को याद किया।

राज्यपाल ने कहा कि स्वर्गीय वाजपेयी एक प्रतिष्ठित सांसद और दिग्गज नेता थे, जिन्होंने चार दशकों तक संसद के दोनों सदनों के सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्होंने कहा कि वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, जो एक कुशल राजनीतिज्ञ, कवि, तीक्ष्ण विचारक और एक उत्कृष्ट वक्ता थे।

00000000000000000000

Indigenous Faith and Cultural Society of Arunachal Pradesh आज से 28 दिसंबर तक आईजी पार्क, ईटानगर में अपनी रजत जयंती मना रही है। इस कार्यक्रम का विषय है "हमारे पूर्वजों का सम्मान करना, हमारी आस्था का जश्न मनाना और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करना", राज्य की स्वदेशी आस्था और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के 25 वर्षों का प्रतीक है। इस समारोह में पारंपरिक नृत्य, अनुष्ठान, प्रदर्शनियाँ और स्थानीय व्यंजन शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायक सहित गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे।

00000000000000000000

अरुणाचल प्रदेश लिटरेरी सोसाइटी के अध्यक्ष और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित लेखक येशे दोरजी थोंगची को आज प्रतिष्ठित "असम प्रकाशन बोर्ड साहित्य पुरस्कार 2024" का विजेता घोषित किया गया। असम प्रकाशन बोर्ड के सचिव प्रमोद कलिता द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि श्री थोंगची को "बनलता" प्रकाशन गृह, गुवाहाटी द्वारा वर्ष 2021 में प्रकाशित उनकी लघु कहानी पुस्तक "धर अरु अन्या गल्पो" के लिए चुना गया है। इस पुरस्कार में प्रशस्ति पत्र, पुरस्कार और 5 लाख रुपये का नकद इनाम शामिल है।

असम प्रकाशन बोर्ड 'बनलता' पुस्तक के प्रकाशक को भी नकद पुरस्कार या 3 लाख रुपये से सम्मानित करेगा। श्री थोंगची को यह पुरस्कार 31 जनवरी को गुवाहाटी में चल रहे असम पुस्तक मेले 2024 के दौरान प्रदान किया जाएगा।

00000000000000000000

देश आज शहीद उधम सिंह को उनकी 125वीं जयंती पर याद कर रहा है। उनका जन्म वर्ष 1899 में आज ही के दिन अविभाजित भारत के पंजाब के सुनाम गांव में हुआ था। उधम सिंह ने जलियांवाला बाग हत्याकांड का बदला लेने के लिये पंजाब के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल ओ'डायर की हत्या की थी। अंग्रेजों की हिरासत में उन्होंने अपना नाम 'राम मोहम्मद सिंह आज़ाद' रखा था जो उनकी उपनिवेशवाद विरोधी भावनाओं और भारत के तीन प्रमुख धर्मों का प्रतिनिधित्व करता था।

00000000000000000000